

एसपीए भोपाल का दशम दीक्षांत समारोह संपन्न

सीएनएन सेंट्रल न्यूज़ एंड नेटवर्क/आईटीडीसी इंडिया इंप्रेस / आईटीडीसी न्यूज़ भोपाल। योजना एवं वास्तुकला विद्यालय (एसपीए) भोपाल का दशम दीक्षांत समारोह अपने कैपस में शनिवार को आयोजित किया गया।

डॉ. सच्चिदानंद जोशी, सदस्य सचिव, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए), नई दिल्ली, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के कार्यकारी और शैक्षिक प्रमुख, इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि थे। प्रो. (डॉ.) हाकम दान चारण, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (शासी मण्डल) ने स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी (वाचस्पति) छात्रों को डिग्री प्रदान करने के लिए दीक्षांत समारोह के प्रारंभ की घोषणा की। निदेशक, प्रो. कैलासा राव एम. ने मुख्य अतिथि और उपस्थित गणमान्य अतिथियों एवं विद्यार्थियों का स्वागत किया एवं विगत वर्ष में हुई एसपीए भोपाल की गतिविधियों और उपलब्धियों की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

जिसमें उन्होंने छात्रों के पिछले वर्ष के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर अंतर-संस्थान स्तर के कार्यक्रमों में भाग लेकर पुरस्कार प्राप्त करने एवं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भी पेपर प्रस्तुत किये जाने के साथ अंतरराष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त करने के बारे में अवगत करवाया। विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों से आने वाले, हमारे छात्रों ने विभिन्न समुदायों, धर्मों और क्षेत्रों के विभिन्न त्योंहारों को मनाकर देश की विविधता में एकता का शानदार प्रदर्शन किया।

इस शुभ अवसर पर 241 स्नातको (80 स्नातक, 156 परास्नातक, 5 पीएचडी) को उपाधियों (डिग्री)



योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल

राष्ट्रीय महत्व का संस्थान, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

School of Planning and Architecture, Bhopal

An Institute of National Importance, Ministry of Education, Government of India

प्रमाण पत्र और पदक क्रमशः मुख्य अतिथि, अध्यक्ष, शासी मण्डल (एसपीए, भोपाल) और अध्यक्ष, सीनेट (एसपीए भोपाल) द्वारा प्रदान किए गए। जिनमें

वास्तुकला में स्नातक, योजना में स्नातक, वास्तुकला में परास्नातक (संरक्षण), वास्तुकला में परास्नातक (भुपरिदृश्य), वास्तुकला में परास्नातक (नगर

अभिकल्पना), अभिकल्प में परास्नातक, योजना परास्नातक (पर्यावरण योजना), योजना परास्नातक (परिवहन योजना एवं लॉजिस्टिक्स प्रबंधन), योजना परास्नातक (नगर एवं क्षेत्रीय योजना) एवं 5 वाचस्पति (पीएचडी) विधाओं (वर्ग) के छात्रों को उपाधियों के साथ दो (2) उत्कृष्टता पदक, नौ (9) प्रवीणता स्वर्ण पदक संबंधित विभागों के टॉपर्स को, नौ (9) सर्वश्रेष्ठ थीसिस पुरस्कार एवं एक (1) थीसिस के लिए प्रशंसा का प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया।